# प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सर्जरी (जनरल सर्जरी) विभाग का 63 वां स्थापना दिवस आज बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ अटल बिहारी वाजपेई साईंटिफिक कंवेंशन सेण्टर में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आशुतोष टंडन जी, मा0 मंत्री चिकित्सा शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्षा द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि किसी भी संस्थान के लिए उसके स्थापना दिवस का दिन बड़ा ही गौरवशाली होता है। आप वर्ष भर कार्य करने के पश्चात इस दिन को मनाते है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम बड़े ही गर्व से लिया जाता है। यहा के चिकित्सक देश और दुनिया में संस्थान का नाम रोशन कर रहे है। सर्जरी विभाग द्वारा माईनर और मेजर कुल 10,000 हजार सफल सर्जरी वर्ष भर मे किया गया है यह एक बड़ी उपलब्धि है। यहां के चिकित्सक और रेजिडेंट डॉक्टर बहुत ही ईमानदारी से अपना कार्य कर रहे है किन्तु फिर भी मेरी यह गुजारिश है कि आप लोग अपने कार्य व्यवहार में सेवा भाव रखें। चिकित्सा शिक्षा मंत्री होने के नाते मुझसे जो बन पड़ेगा वो सब मै इस संस्थान के लिए करूंगा यह संस्थान मेरे दिल के करीब है।

कार्यक्रम में प्रो0 ए0ए0 सोनकर, विभागाध्यक्ष, सर्जरी विभाग (जनरल सर्जरी) द्वारा विभाग की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि इस विभाग में 6 कार्यरत इकाई है। विभाग द्वारा गत वर्ष 670 उदरीय लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई जबकी उदरीय ओपेन सर्जरी कुल 100 से भी कम की गई है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। विभाग द्वारा कुल 10,000 मेजर एवं माइनर सर्जरी की गई है। विभाग द्वारा स्तन, उदरीय, थायरॉयड, ओरल, एनल इत्यादि सर्जरी की जा रही है। विभाग के अंदर से कई उच्च उत्कृष्टता वाले विभागों का सृजन किया गया। सर्जरी विभाग में मरीजो को एक ही छत के निचे अच्छा उपचार उपलब्ध कराए जाने और शैक्षणिक कार्यो को करने के लिए एक सभी विशिष्टातों से युक्त नये भवन की अवश्यकता है जिसकी मांग शासन को भेजी जा चुकी है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ0 के0के0 गुप्ता, निदेशक, चिकित्सा शिक्षा द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि चिकित्सा विश्वविद्यालय पुरे प्रदेश की मेडिकल सेवाओं में अहम भुमिका निभाता है। यहां पूरे प्रदेश से मरीज अपना इलाज कराने आते है। सर्जरी विभाग को सेंट्रलाइज्ड वर्किंग प्लान मिले इसके लिए मै पूर्ण प्रयास करूंगा।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा कि यह सर्जरी विभाग चिकित्सा विश्वविद्यालय का सबसे पुराने विभागों एवं सबसे गौरवशाली विभागो में से एक है। चिकित्सा विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण किए हुए चिकित्सक पूरे विश्व में फैले हुए है। चिकित्सा विश्वविद्यालय को देश के 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों के बीच एनआईआरएफ की रैकिंग मे 16 वां स्थान प्रदान किया गया हैं। उ0प्र0 का यह पहला विश्वविद्यालय है जिसे नैक द्वारा ग्रेड 'ए' की मान्यता पांच वर्षो के लिए प्रदान की गई है। चिकित्सा विश्वविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग, एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग को एनएबीएल की मान्यता प्रदान है। सर्जरी विभाग को एनएबीएच की मान्यता के लिए इस विभाग की सभी विशिष्टताओं को एक छत के निचे लाना जरूरी है। मै इस संस्थान का मुखिया होने के नाते इस संस्थान के विकास के लिए सारे प्रयास करूंगा। जल्द से जल्द इस विभाग को नया भवन प्राप्त हो इसके लिए हर सम्भव प्रयास करूंगा।

कार्यक्र में तीन व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रो0 वेंकटरमनी सीतारमन, वरिष्ठ सलाहकार एचपीबी सर्जरी, टाटा मेडिकल सेंटर कोलकाता द्वारा ''मेंटर इन सर्जरी'' विषय पर प्रो0 एस0सी0 मिश्रा, प्रो0 गंगा राम वर्मा, सर्जीकल गैस्ट्रोंइंट्रोलॉजी डिविजन, सर्जरी विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा '' रेडिकल रिसेक्शन इन मस्क्यूरेडिंग बिलिओ–पैनक्रिएटिक ट्यूमर्स : कैन वी अवॉयड'' विषय पर प्रो0 पी0सी0 दूबे व्याख्यान एवं प्रो0 आशिफ जह, कैम्ब्रीड्ज विश्वविद्यालय, यू0के0 द्वारा ''लिवर फैट टू लिवर ट्रांसप्लांट'' विषय पर प्रो0 टी0सी0 गोयल अतिथि व्याख्यान दिया गया।

प्रो0 गंगा राम वर्मा ने अपने व्यख्यान में बताया कि पित्त की थैली का कैंसर बहुत ही कॉमन कैंसर है जब तक मरीज चिकित्सक के पास आता है तब तक मर्ज बढ़ चुका होता है। ऐसे 20 से 30 प्रतिशत मरीजो मे हम सर्जरी कर पाते है। किन्तु गाल ब्लैडर की नॉन कैंसर बीमारी भी कैंसर की तरह होती है जिसे हम एफएलपी पेट सीटी स्कैन के माध्यम से पहचान सकते है। और ऐसे नॉन कैंसरस बीमारी में हम बहुत बड़ी सर्जरी करने से बच सकते है। बहुत से नॉन कैंसर गॉल ब्लैडर के ऐसे मरीज होते जिनकी बड़ी सर्जरी हो जाती है ऐसे मरीजो की संख्या कुल मरीजो के 18 से 20 प्रतिशत होती है जबकी इनमें बड़ी सर्जरी की अवश्यकता नही होती है। पित्त की थैली के ऐसे 3 से 5 प्रतिशत मरीज होते है जिनको पित्त की थैली में कैंसर हो जाता है। ऐसे मरीज जिनका पित्त की थैली मे 3 सेंटी मीटर से बड़ा स्टोन हौ और थैली की दिवाल मोटी हो और थैली इरेगुलर हो ऐसे मरीजो में कैंसर की सम्भवाना अधिक होती है।

प्रो0 आशिफ जह ने अपने व्याख्यान में बताया कि 40 से 50 प्रतिशत लोगो के लिवर मे फैट अधिक होता है। ये समस्या शहरी क्षेत्रों मे ज्यादा पाई जाती है। इनमे 14 से 15 प्रतिशत लोगो में नैश गम्भीर फैटी लिवर की समस्या होती है। ऐसे मरीजो का लिवर धिरे–धिरे डैमेज होने लगता है जिससे लिवर सख्त हो जाता है, लिवर मे खुन का बहाव कम हो जाता है और धिरे धिरे लिवर फेल होने लगता है। फैटी लिवर की समस्या ज्यादातर लोगो के खान पान से बढ़ रही है आज कल लोग उच्च कैलोरी का भोजन ले रहे है और व्यायाम कम कर रहे है इससे लिवर में फैट जमा हो रही है। ऐसे फैटी लिवर को नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर कहते है। नॉन एल्कोहलिक लिवर की बीमारी वर्ल्ड में नम्बर एक पर है इण्डिया में यह तीसरे नम्बर पर है। फैटी लिवर के साथ एल्कोहल पिने पर यह कई गुना ज्यादा तेजी से बढ़ती है। इससे बचने के लिए वजन पर ध्यान देना चाहिए खाने में फैट और ज्यादा कैलोरी लेने से बचना चाहिए, और खुब कसरत करनी चाहिए। इसको पता करने के लिए फाइब्रो स्कैन कराना चाहिए। एलएफटी के माध्यम से यह तब पता चलता है जब यह नैश की स्थिति में पहुंच जाता है।

उपरोक्त कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो0 विनोद जैन, अचार्य सर्जरी विभाग एवं अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। प्रो0 जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि चिकित्सा शिक्षा में समर्पित शिक्षकों और प्रेरित विद्यार्थियों और उत्साहजनक वातातरण के बीच का सम्बंध है। जिससे जनता को काफी उम्मीद है। जिसे पुरा करने के लिए सतत् चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का निरंतर आयोजन होता रहना चाहिए। प्रो0 जैन ने चिकित्सा शिक्षको के लिए पी0एच0डी0 मंत्र बताया जिससे वो अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करते रहे।
P- Passion, H- Hunger For Knowledge, D- Discipline.